बासंती एवं गोसाबा ब्लॉक, सुंदरवन, पश्चिम बंगाल के मत्स्य किसानों की क्षमता विकास कार्यक्रम

आईसीएआर–सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन, कोलकाता केन्द्र द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना (SCSP) के अंतर्गत "मीठे पानी की मत्स्य पालन की आधुनिक विधियाँ" विषय पर तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 11–13 सितम्बर, 2025 को किया गया। इस प्रशिक्षण में दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल के बासंती एवं गोसाबा ब्लॉक के 20 मत्स्य किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन कुलतली मिलन तीर्थ सोसायटी, बासंती, सुंदरवन में किया गया, जिसमें सोसायटी के सचिव श्री लोकमान मोल्ला तथा संबंधित ब्लॉक के राज्य मत्स्य प्रसार अधिकारी श्री अमित कुमार बेरा उपस्थित रहे।

किसानों को वैज्ञानिक पद्धति में मत्स्य पालन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया, जिनमें शामिल थे–तालाब की तैयारी एवं प्रबंधन, मिश्रित मत्स्य पालन, आहार एवं पोषण प्रबंधन, तथा जल एवं मृदा गुणवत्ता प्रबंधन। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण मत्स्य किसानों को उनके जलाशय से अधिकतम लाभ प्राप्त करने एवं उनकी आजीविका को सुदृढ़ करने में सक्षम बनाना था।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री से फार्म–मेड फीड (आहार) तैयार करने का अभ्यास कराया गया। इसके अतिरिक्त, जल गुणवत्ता मापदंडों जैसे pH, घुलित ऑक्सीजन, अमोनिया इत्यादि की माप का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किसानों के तालाब पर CIFE एक्वाकल्चर टेस्ट किट का उपयोग करके किया गया। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रत्येक किसान को प्रमाण पत्र, प्रशिक्षण पुस्तिका तथा 1500 मछली बीज वितरित किए गए।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आईसीएआर–सीआईएफई, मुंबई के निदेशक एवं कुलपति डॉ. एन. पी. साहू के मार्गदर्शन में तथा डॉ. टी. के. घोषाल, प्रधान वैज्ञानिक एवं केन्द्राध्यक्ष के समन्वयन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।